राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : मध्य प्रदेश में, छोटे पैमाने के उद्योगों को सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिए गए अग्रिमों की बकाया राशि की जून, 1974 और जून, 1975 के अन्त की जिलेवार स्थिति सभा पटल पर रखे गए अनुबन्ध में दी गयी है। [**ग्रंथालय में रखा गया। देखिए संख्या** एल० टी० 11259/76]

अफीम का निर्यात

1799. श्री भागीरथ भंवर : क्या **राजस्व और बैंकिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या कुछ देश भारत से अफीम का आयात बन्द करने की कोशिश कर रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो उन देशों के नाम क्या है और इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

काश्मीर को पर्यटक यातायात

1800. श्री भागीरथ भंवर : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष काश्मीर के पर्यटक केन्द्रों में सर्वाधिक भारतीय तथा विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या-क्या कारण हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) जी, हां। 1976 (जनवरी—जुलाई) में काश्मीर की यात्रा करने वाले भारतीय और विदेशी यात्रियों की कुल संख्या 190,512 (173,120 भारतीय तथा 17,392 विदेशी) थी जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह संख्या 107,497 (96,209 भारतीय तथा 11,288 विदेशी) थी तथा 1973 की इस अवधि के दौरान यह संख्या 118,097 (107,744 भारतीय तथा 10,353 विदेशी) थी, जो कि गत वर्षों में अधिकतम संख्या थी।

(ख) काश्मीर पर्यटन केन्द्र के रूप में सुप्रसिद्ध है और केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रोत्साहन उपायों ने भी राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायता दी है।

भूतपूर्व राजाओं और संसद सदस्यों के घरों पर छापे

1801. श्री भागीरथ भंवर : क्या **राजस्व और बैंकिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आपात स्थिति के बाद किन किन भूतपूर्व राजाओं के घरों पर छापे मारे गए; और प्रत्येक से कितने मूल्य की सम्पत्ति मिली हैं;

(ख) कितने मामलों में पकड़ी गई सम्पत्ति को अन्तिम रूप से सरकारी सम्पत्ति घोषित कर दिया गया है और ऐसे मामलों में अन्तर्ग्रस्त लोगों के नाम क्या है, और

(ग) संसद और राज्य विधान मंडलों के उन सदस्यों के नाम क्या हैं जिनके घरों पर इस अवधि के दौरान छापे मारे गए

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : (क) आपात स्थिति की घोषणा के बाद जिन भूतपूर्व शासकों के परिसरों पर आयकर प्राधिकारियों द्वारा तलाशी और अभिग्रहण की कार्यवाही की गई है उनके नाम और उसके परिणामस्वरूप अभिग्रहीत परिसम्पत्तियों का मूल्य नीचे दिए अनुसार है :-

भूतपूर्व शासक का नाम जिसके परिसरों की तलाशी ली गई थी	अभिग्रहीत परिसम्पत्तियों का मूल्य (लाख रुपयों में)
(i) स्वर्गीय श्री जगत दीपेन्द्र नारायण (कूच बिहार के भूतपूर्व शासक) तथा अन्य	10
(ii) श्री माधवराव जे० सिंधिया (ग्वालियर के भूतपूर्व शासक) तथा अन्य **इनके अतिरिक्त, कुछ जवाहरात प्रतिषेधात्मक आदेशों के अन्तर्गत रखे गए हैं।	99**
(iii) श्री आर० एस० के० आर० रंगा राव [बोबिली (आंध्र प्रदेश) के भूतपूर्व शासक] तथा अन्य	4

(ख) अभिग्रहीत परिसम्पत्तियों पर आयकर अधिनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही की जा रही है। अभिग्रहीत परिसम्पत्तियों के उस भाग का पता, जो अन्ततः ले लिया जायेगा, सम्बद्ध कार्यवाहियों को अन्तिम रूप देने पर ही चलेगा। इस प्रक्रिया में काफी समय लगता है।

जिस तलाशी में मूल्यवान परिसम्पत्तियों का अभिग्रहण किया जाता है उसमें तलाशी के बाद पहला काम यह होता है कि छिपाई गई आय का सरसरी तौर पर निश्चय करके आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 132(5) के अन्तर्गत आदेश जारी किया जाय और अभिग्रहीत परिसम्पत्तियों का उतना भाग रोक लिया जाय जो छिपाई गई अनुमानित आय पर कर के कुल दायित्व को (ब्याज और दण्ड सहित) और विभिन्न प्रत्यक्ष कर अधिनियमों के अन्तर्गत किसी वर्तमान दायित्व को पूरा करने के लिए पर्याप्त हो। इसके बाद नियमित कर निर्धारण का कार्य आरम्भ किया जाता है और सबूत को आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यवाही की जाती है, जिसमें जहां कहीं आवश्यक हो वहां दाण्डिक अभियोजन की कार्यवाही करना शामिल है।

(ग) अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

आपात स्थिति की घोषणा के बाद छापे

1802. **श्री हुकम चन्द कछवाय:** क्या राजस्व और बैंकिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि आपात स्थिति की घोषणा के बाद देश में ऐसे व्यक्तियों की संख्या तथा नाम क्या है जिनके यहां पांच लाख रुपए के अधिक मूल्य का गुप्तधन, सोना, मोती और जेवर, मूल्यवान चीजें, विदेशी मुद्रा भारतीय मुद्रा, विदेशी शराब अन्य कागजात तथा अन्य सामान छापों में बरामद हुआ।

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : सूचना एकत्र की जा रही है और सदन पटल पर रख दी जायेगी।

Handloom development schemes taken up in Kerala

1803 SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state a brief outline of the schemes proposed to be implemented in the State of Kerala for the betterment of handloom weavers under 20-point Economic Programme and the total amount allotted in this regard?